ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-८
दिनांक- मंगलवार,२८ जनवरी,२०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २०.४ एवं ८.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९२ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६६ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १०.८ एवं दोपहर में १९.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा। रात्री एवं सुबह में घना कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२९ जनवरी- २ फरवरी,२०२०)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २९ जनवरी- २ फरवरी तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर बिहार में अगले दो दिनों के दौरान आसमान में हल्के से मध्यम बादल छायें रह सकते है। अगले १२ से २४ घंटों के दौरान तराई के जिलों में हल्की वर्षा एवं मैदानी भागों के जिलों में हल्की वर्षा या बुंदा-बुंदी की संभावना है।
- पूर्वानुमान की अवधि में अधिकतम तापमान २० से २२ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान ८ से १० डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है।
- अगले २ दिनों तक पूरवा तथा उसके बाद पछिया हवा औसतन ७ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से चलने की संभावना है। ३०-३१ जनवरी के सुबह में घने कुहासे रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले १२-२४ घंटों में हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्यो में सर्तकता बरतें। खड़ी फसलों में इस समय सिंचाई स्थगित रखें। हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई सावधानीपूर्वक करें।
- रबी मक्का की फसल जिसमें धनबाल एवं मोचा आ गई हो, ४० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन वर्षा उपरान्त करें।
- पिछात बोयी गई गेहूँ की फसल में जिंक की कमी के लक्षण (गेहूँ के पौधों का रंग हल्का पीला हो जाना) दिखाई दें रहें हो तो २.५ किलोग्राम जिंक सल्फेट, १.२५ किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं १२.५ किलोग्राम युरिया को ५०० लिटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। दीमक कीट का प्रकोप फसल में दिखाई देने पर बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर खड़ी फसलों में समान रूप से व्यवहार करें।
- दीमक से प्रभावित आम और लीची की बगान में क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० @ २.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मुख्य तने एवं उसके आस-पास की मिट्टी में छिड़काव करें। ऐसा करने से दीमक की उग्ररता में कमी आती है। इन बागों में अभी फूल एवं फल आने का समय हो रहा है। अतः किसान भाई अपने बगीचे में इमिडाक्लोप्रीड १७.८ एस०एल०@०.५ मी०ली०/ली० एवं घुलनशील गंधक (सल्फर) ८० डब्लू०पी०@ २ ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल कर पत्तियों पर समान रुप से छिड़काव करें। जिससे आने वाले समय में क्रमशः हापर एवं पौउड्री मिल्डेव की उग्रता में कमी आयेंगी। वर्त्तमान में इन बागानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया एवं अगले मार्च (फल के मटर आकार के बनने) तक सिंचाई नहीं करें।
- अरहर की फसल में फल मक्खी कीट की निगराणी करे। इस कीट के मैगट बीजों को खाते है। जिस स्थानों पर मैगट खातें है, वहाँ कवक एवं जीवाणु उत्पन हो जाते है। फलस्वरूप ऐसे दाने खाने योग्य नही रह जाते है और उपज में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- पिछात सरसों में लाही की निगरानी करे। ये सुक्ष्म आकार का कीट है, जो पौधो पर स्थायी रुप से चिपके रहते है एवं पौधो की जड़ो को छोड़कर शेष सभी मुलायम भागो, तने व फलीयों का रस चुसते है। इस कीट से बचाव के लिए डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- आलू की अगात प्रभेद की तैयार फसलों की खुदाई करें। बीज वाली फसल की ऊपरी लत्ती की कटाई कर लें तथा खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दें। पिछात आलू की फसल में कटवर्म या कजरा पिल्लू की निगराणी करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें।

आज का अधिकतम तापमानः २२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.७ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः ८.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.९ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकार